लइकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति

प्रस्तुतकर्ता

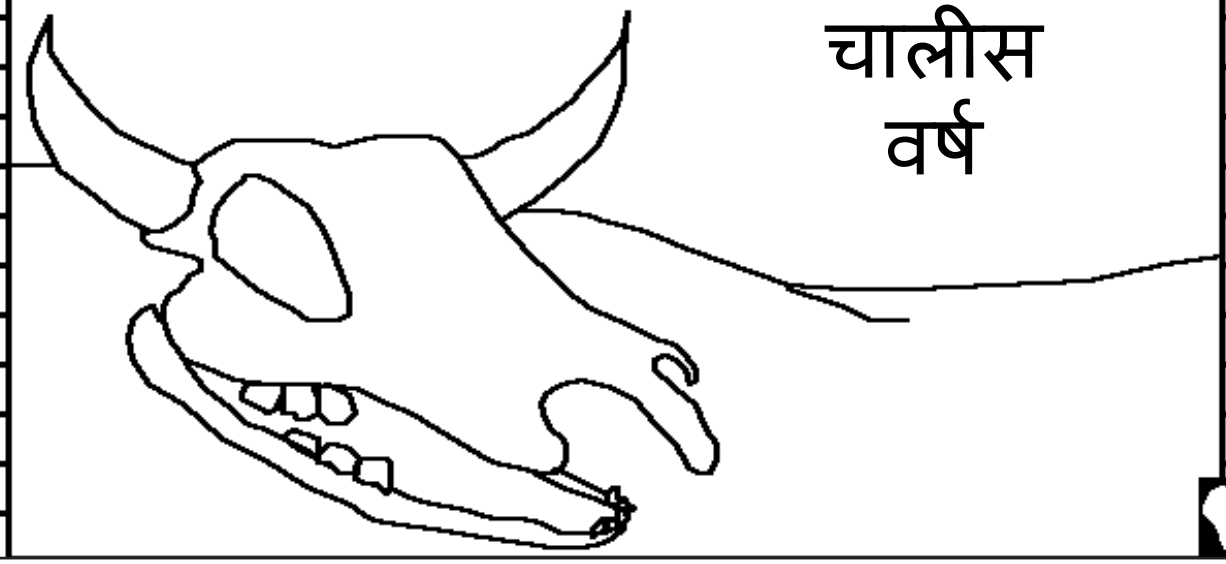

चालीस वर्ष

लेखक: Edward Hughes

ब्याख्याकर: Janie Forest

अनुवादकः सुरेश मसीह

अनुकूलित: Lyn Doerksen

कहानी 12 से 60

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

Bhojpuri

जब परमेश्वर इस्राएली लोग के बचा के मिस्र से बाहर ले अइलन तब, मूसा आराधना में लोगन क अगुवायी कइलन।

उ आराधना क एगो गीत भी बनवलन। हम यहोवा क गीत गाइब कांहें से कि उ महाप्रतापी ठहरल बाड़ें। "परमेश्वर इस्राएल की खातिर जेतना बड़ बड़ काम कइले रहलन, सब की खातिर मूसा गीत गवलन।

रेगिस्तान में तीन दिन की बाद पीयासल लोग एगो कुण्ड पवलें। लेकिन उ कड़वा पानी के पी ना सकलें। प्रार्थना कइलें की बजाय, लोग शिकायत कइलें। परमेश्वर बहुत दयालु रहलें। ओ पानी के पीये योग्य बना दिहलें।

3

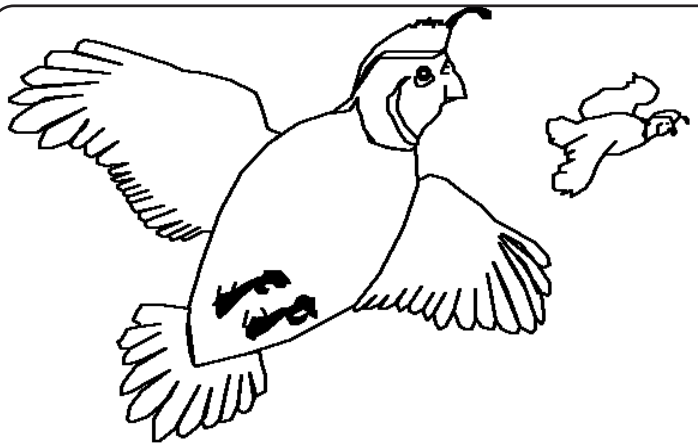

अइसन लागे ला कि लोग सब कुछ की खातिर शिकायत कइलें। "हमनी की पास मिस्र में भोजन रहल। उ बिलखे लगलें, हमनी क रेगिस्तान में भूख से मर जाइल जायी।"

4

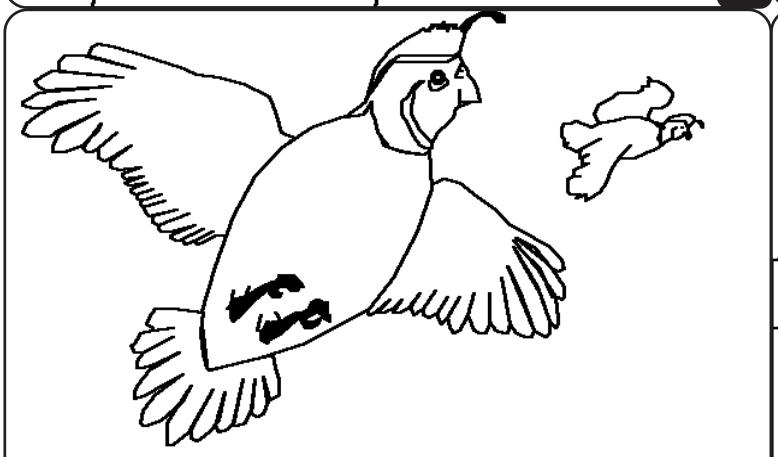

ओही शाम परमेश्वर बटेरन के उनकी बीच में भेजलन। लोग ओ सबके आसानी से पकड़ सकत रहलें।

5

अगली सुबह परमेश्वर मन्ना भेजलें। ई एगो अइसन रोटी रहल जेवन शहद की पूवा की तरह खइला में लागत रहल।

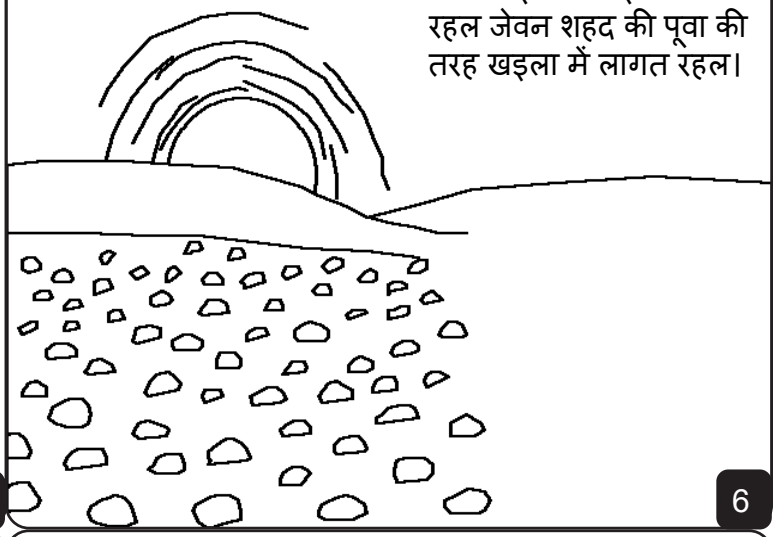

6

रोज सुबह मन्ना तैयार जमीन पर पड़ल रहत रहे की बटोरल जा सके। ए तरह से परमेश्वर रेगिस्तान में अपनी लोगन के खाना खियवलन।

7

ओ सब के हर दिन भोजन की खातिर परमेश्वर पर भरोसा करे के रहल। लेकिन कुछ लोग जरूरत से ज्यादा मन्ना बटोरलें, ईहाँ तक की परमेश्वर कहले रहलन कि उ दूसरा दिन तक ना बचल रही।

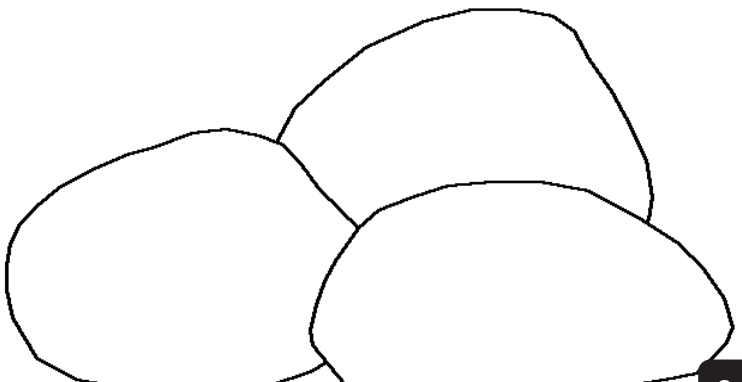

8

केवल सब्त की दिन के छोड़के, पर्याप्त मन्ना की अलावा, पिछला दिन क बटोरल मन्ना कीड़ा से भर जात रहल। इ विशेष सातवां दिन के लोग आराम करत रहलें अउर पिछला रात क बटोरल मन्ना के खात रहलें।

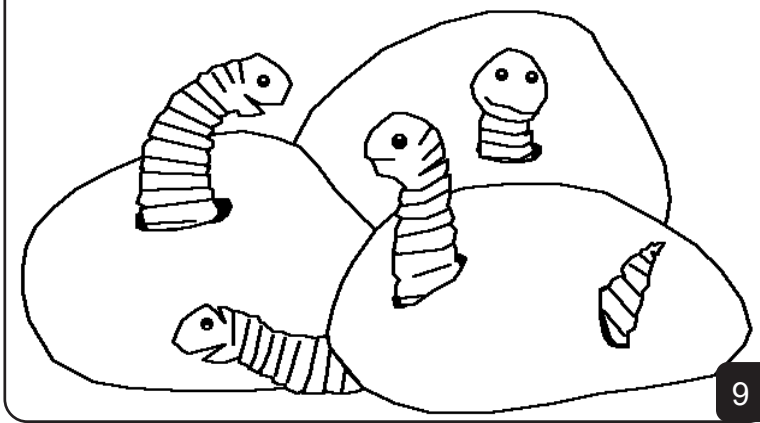

9

परमेश्वर रेगिस्तान में इस्राएलियन क पूरा देख भाल कइलें। उ उन सब के भोजन अउर पानी दिहलन - अउर दुश्मनन से रक्षा भी कइलन। जब अमालेकी लोग ओ लोगन पर हमला कइलन, तब इस्राएल के लगातार जय मिलत रहल।

10

ई तब तक भइल जब तक मूसा परमेश्वर की लाठी के ऊपर उठवले रहलन।

11

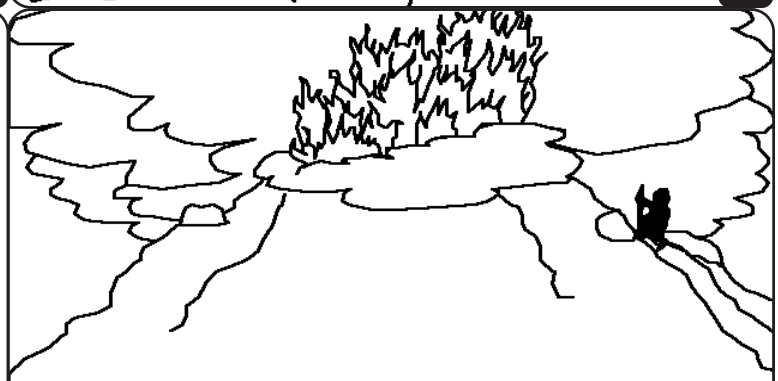

परमेश्वर इस्राएली लोगन से कहलें, "यदि तू हमरी वचन क पालन करबअ तअ तू हमार खास लोग होईबअ।" "सब लोग मूसा से कहलन," परमेश्वर जेवन कुछ हमनी से कहिहन हमनी क सब कुछ करब जा।

12

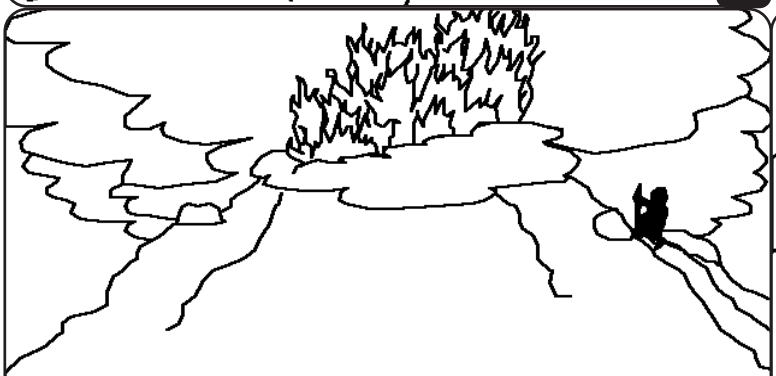

उ सब लोग सीनै पहाड़ की पास नीचे अइलें अउर इंतजार करे लगलें जबतक मूसा परमेश्वर से मिले ऊपर गोइलन।

13

मूसा चालीस दिन तक पहाड़ पर परमेश्वर की साथ रहलन। परमेश्वर पत्थर क दूगो पटरी पर दस आज्ञा के लिखलें। उ मूसा के बतवलन कि उ अपनी लोगन क जीवन कइसन चाहत बाने।

14

1. "तू हमके छोड़ के दूसरा के ईश्वर करके मत मनिहअ"

2. "अपनी खातिर कवनो मूर्ति मत बनईह जा अउर न झुक के दण्डवत करीहअ जा"

3. "तू अपनी परमेश्वर क नाम व्यर्थ मत लीहअ"

4. "तू लोग विश्रामदिन के पवित्र माने की खातिर याद रखिहअ"

5. "तू अपनी पिता अउर अपनी माता क आदर करिहअ"

15

6. "तू लोग हत्या मत करीह जा"

7. "तू लोग व्यभिचार मत करीहअ जा"

8. "तू लोग चोरी मत करीहअ जा"

9. "तू लोग झूठ गवाही मत दीहअ जा"

10. "तू लोग लालच मत करीहअ जा"

16

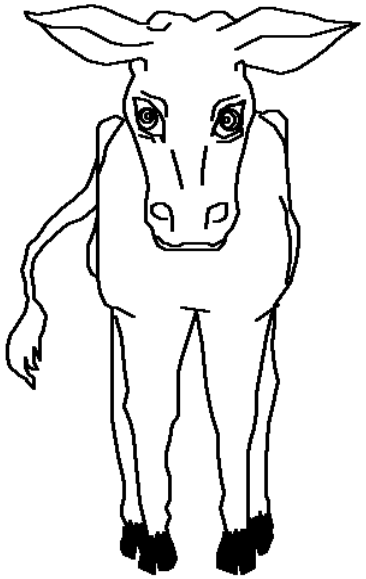

जब मूसा सीनै पर्वत पर परमेश्वर की साथ रहलन तब इस्राएली लोग कुछ दर्दनाक काम कइलें। उ लोग हारून के एगो सोने क बछड़ा बनावे के आदेश दिहलें - अउर उ लोग परमेश्वर की बजाय ओ बछड़ा क पूजा कइलें। परमेश्वर उनसे बहुत नाराज हो गोइलन। अउर तब मूसा भी नाराज हो गोइलन।

17

जब मूसा ओ बछड़ा अउर लोगन के नाचत देखलन। ओ पत्थर की पटरियन के जमीन पर तूर दिहलन। खिसियाइल मूसा ओ सोने की मूर्ति के नाश कर दिहलन। जेतना लोग ओकर पूजा कइले रहल ओ सब दुष्ट पुरुषन के भी उ नाश कर दिहलन।

18

परमेश्वर ओ दूनो पत्थर की पटरियन के दोबारा प्रदान कइलन। उ मूसा से एगो निवास स्थान क निर्मोण करे खातिर कहलें, जेवन चारों ओर बाड़ा की संगे रहे, एगो बड़ तम्बू जहाँ परमेश्वर उनकी लोगन की बीच रहिहन। उ उहाँ परमेश्वर क आराधना करे के चाहत रहलन। परमेश्वर की मौजूदगी के बादल अउर आग क खम्भा दर्शावत रहलें।

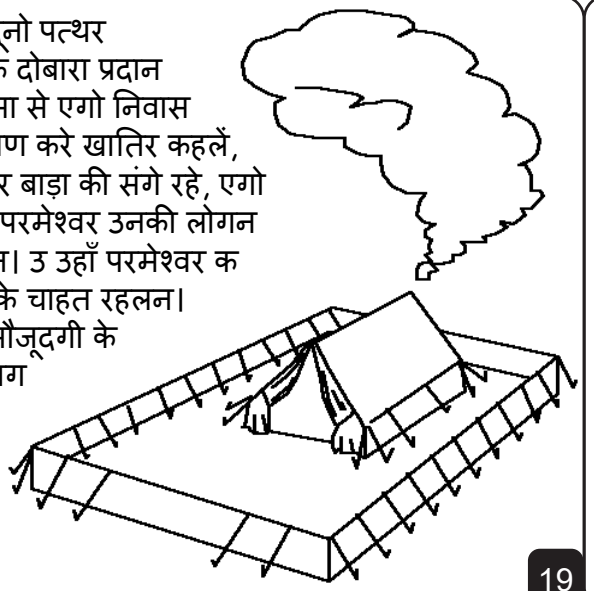

19

कनान देश की नजदीक पहुँचला पर, परमेश्वर द्वारा वादा कइल देश के देखे की खातिर मूसा बारह जासूसन के भेजलन। सब जासूस ई सहमती जतवलें कि उ देश बहुत खूबसूरत बा!

20

लेकिन खाली दू जाना, यहोशू अउर कालेब, ही विश्वास कइलन कि परमेश्वर की मदद से ए देश के जीतल जा सकेला।

21

अन्य दस जासूस ओ देश के मजबूत शहर अउर दिग्गजन से डेराये लगलें। "हमनी क ओ देश पर बिजयी ना हो सके लीं जा," उ सब करहलें। परमेश्वर मिस्र में से उनसबके कइसे छोड़वले रहलन,

ई महान बात उ सब भूला गइल रहलें।

22

लोग ओ दस अविश्वासी जासूसन की बातन पर विस्वास कइलें। उ सब रोवलें अउर वापस मिस्र में जाए खातिर तैयार होखे लगलें। उ सब लोग मूसा के जान से मरला क कोशिश भी कइलें!

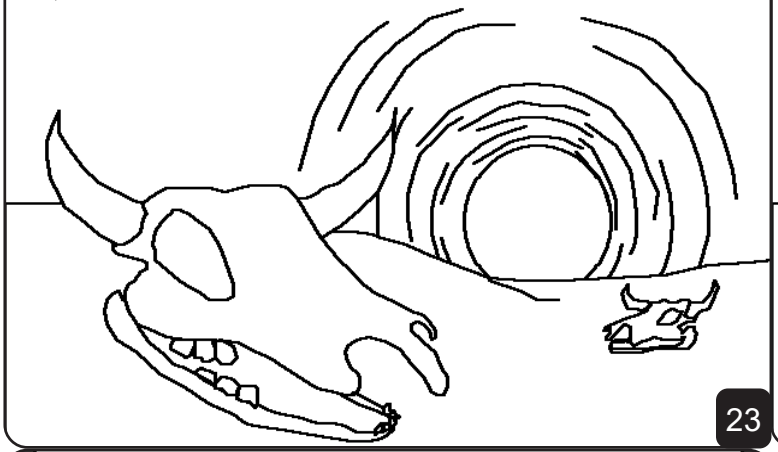

23

परमेश्वर मूसा की जान के बचवलन। तब उ लोगन से कहलें, "तू सब चालीस साल खातिर जंगल में भटकत रहबअ जा। "खाली कालेब, यहोशू, अउर उनकर संतान ही जीवित रहीहें अउर उ जासूसी कइल देश में प्रवेश करे पइहन।"

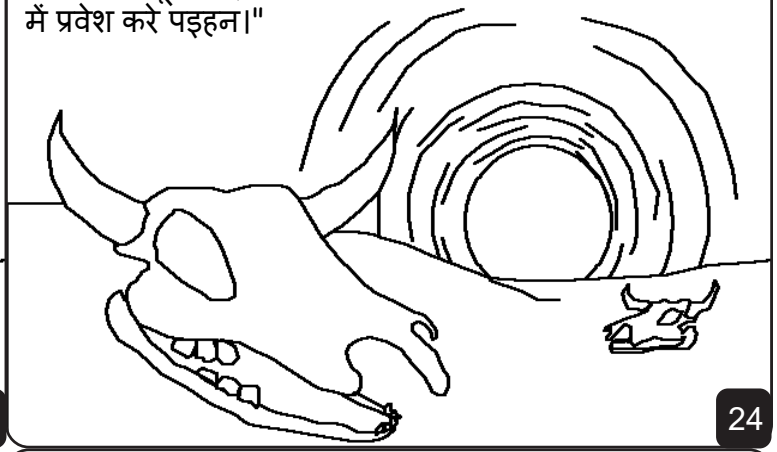

24

चालीस वर्ष

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से ई कहानी लीहल गइल बा

निर्गमन 15 से गिनती 14

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के धरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउअ ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !